www.sgbauonline.com

AU–2356

M.A. (Part–I) Semester–II Examination

HISTORY

Paper–I

(Trends and Theories of History)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

N.B. :– (1) **All** questions are compulsory.

(2) Answer of long answer type questions and short type questions are expected in about **1000** and **250** words respectively.

1. Describe the objects, development and effects of Imperialistic Trend of History. 16

OR

Describe the objects, development and effects of Indian Nationalist History writing. 16

2. Explain the development of Orientalist approach of History and explain its effects on Indian History writing. 16

OR

Describe the Marxist Concept of Historiography and explain its merits and demerits. 16

3. Answer any **one** group of the following :

(a) Explain the objects of Christianity Theological History. 4

(b) State the ideology of Subaltern approach of History. 4

(c) Write the causes of the rise of Subaltern Trend in History. 4

(d) Narrate the Importance of Educational thoughts of Mahatma Jyotirao Phule. 4

OR

(e) Describe the development of Theological History writing in Europe. 4

(f) Write the ideology of Ancient Indian Theological History. 4

(g) Explain the importance of Purans in the ancient Indian Theological History. 4

(h) Write the contribution of Antonio Gramsci towards the Subaltern Historiography. 4

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. Answer any **one** group of the following :

(a) Explain the Ancient Indian's ideas of four ages and Kalchakra. 4

(b) Describe the Cyclical theory of Oswald Spengler. 4

(c) Write the salient features of Comparative History. 4

(d) Narrate the Importance of the study of Environment. 4

OR

(e) Describe the 'Challenge and Response Theory' of Toynbee. 4

(f) State the cyclical theory of Giambattista Vico. 4

(g) Write the difference between Cyclical and Linear theory of History. 4

(h) Explain the nature of Ecosystem chain. 4

5. Answer any **one** group of the following :

(a) Describe the nature of 'Varna System' in the ancient India. 4

(b) Write the effects of caste system with reference to the Modern India. 4

(c) State the effects of gender discrimination in Modern India. 4

(d) Narrate the thoughts of V.K. Rajwade towards the Historiography. 4

OR

(e) Describe the importance of Religion as the theme of ancient Indian History. 4

(f) Write the importance of Culture as a theme of Indian History. 4

(g) State the achievements of R.C. Dutt as an Indian Nationalist Historian. 4

(h) Explain the concept of Secularism of Pt. Jawaharlal Nehru. 4

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

AU–2356

M.A. (Part–I) Semester–II Examination

HISTORY

Paper–I

(Trends and Theories of History)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

(मराठी माध्यम)

नोट :— (1) **सर्व** प्रश्न आवश्यक आहेत.

(2) दिर्घोत्तरी आणि लघूत्तरी प्रश्नांची उत्तरे अनुक्रमे **1000** आणि **250** शब्दांपर्यंत अपेक्षित आहेत.

1. इतिहासाच्या साम्राज्यवादी प्रवाहाचा उद्देश, विकास व परिणामाचे वर्णन करा. 16

किंवा

भारतीय राष्ट्रवादी इतिहास लेखनाचा उद्देश, विकास व परिणामाचे वर्णन करा. 16

2. इतिहासाच्या प्राच्यवादी (पौर्वात्यवादी) दृष्टिकोणाचा विकास स्पष्ट करा आणि त्याचे भारतीय इतिहास लेखनावरील परिणाम स्पष्ट करा. 16

किंवा

इतिहासलेखनाच्या मार्क्सवादी संकल्पनेचे वर्णन करा आणि त्याचे गूण-दोष स्पष्ट करा. 16

3. खालीलपैकी कोणत्याही **एका** गटातील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :

(अ) ख्रिस्ती ईश्वरवादी (धर्मनिष्ठ) इतिहासाचे उद्देश स्पष्ट करा. 4

(ब) इतिहासाच्या जनसामान्यवादी (Subaltern) दृष्टीकोनाची विचारधारा सांगा. 4

(क) इतिहासाच्या जनसामान्यवादी प्रवाहाच्या उदयाची कारणे लिहा. 4

(ड) महात्मा जोतीबा फूलेंच्या शैक्षणिक विचारांचे महत्व विशद करा. 4

किंवा

(इ) यूरोपमधील ईश्वरवादी (धर्मनिष्ठ) इतिहास लेखनाचा विकासाचे वर्णन करा. 4

(फ) प्राचीन भारतीय ईश्वरवादी (धर्मनिष्ठ) इतिहासाची विचारधारा लिहा. 4

(ग) प्राचीन भारतीय ईश्वरवादी (धर्मनिष्ठ) इतिहासात पूराणांचे महत्व स्पष्ट करा. 4

(ह) जनसामान्यवादी (Subaltern) इतिहासलेखनाप्रती अन्तोनिओ ग्रामचीचे योगदान लिहा. 4

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. खालीलपैकी कोणत्याही **एका** गटातील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :

(अ) प्राचीन भारतीयांच्या चार युग व काळचक्रांची कल्पना स्पष्ट करा. 4

(ब) ओसवाल्ड स्पेंगलरच्या चक्रकार सिद्धांताचे वर्णन करा. 4

(क) तौलनिक इतिहासाची वैशिष्ट्ये लिहा. 4

(ड) पर्यावरणशास्त्र अध्ययनाचे महत्व विशद करा. 4

किंवा

(इ) टायन्बीच्या 'अव्हान व प्रतिसाद' सिद्धांताचे वर्णन करा. 4

(फ) गामबातिस्ता व्हिकोचा चक्रकार सिद्धांत सांगा. 4

(ग) इतिहासाच्या चक्रकार व सरळरेषेचा सिद्धांतामधील फरक लिहा. 4

(ह) निसर्ग व्यवस्थेच्या शृंखलेचे स्वरूप स्पष्ट करा. 4

5. खालीलपैकी कोणत्याही **एका** गटातील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :

(अ) प्राचीन भारतातील 'वर्णव्यवस्थे'चे स्वरूप वर्णन करा. 4

(ब) आधुनिक भारताच्या संदर्भात जाती व्यवस्थेचे परिणाम लिहा. 4

(क) आधुनिक भारतातील लिंगभेदाचे परिणाम सांगा. 4

(ड) इतिहास लेखनाप्रती वि. का. राजवाडे यांचे विचार विशद करा. 4

किंवा

(इ) प्राचीन भारतीय इतिहासाचा आशय म्हणून धर्माचे महत्व वर्णन करा. 4

(फ) भारतीय इतिहासाचा आशय म्हणून संस्कृतीचे महत्व लिहा. 4

(ग) भारतीय राष्ट्रवादी इतिहासकार म्हणून आर.सी. दत्त ची कामगीरी सांगा. 4

(ह) पंडीत जवाहरलाल नेहरूची धर्मनिरपेक्षवाद संकल्पना स्पष्ट करा. 4

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

M.A. (Part–I) Semester–II Examination

HISTORY

Paper–I

(Trends and Theories of History)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

(हिन्दी माध्यम)

नोट :— (1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) दीर्घोत्तरी तथा लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर क्रमश: **1000** तथा **250** शब्दों तक अपेक्षित हैं।

1. इतिहास के साम्राज्यवादी प्रवाह के उद्देश्य, विकास और परिणामों का वर्णन कीजिये। 16

अथवा

भारतीय राष्ट्रवादी इतिहासलेखन के उद्देश्य, विकास और परिणामों का वर्णन कीजिये। 16

2. इतिहास के प्राच्यवादी (पौर्वात्यवादी) दृष्टिकोण का विकास स्पष्ट कीजिये और इसके भारतीय इतिहास लेखनपर हुये परिणाम स्पष्ट कीजिये । 16

अथवा

इतिहासलेखन के मार्क्सवादी संकल्पना का वर्णन कीजिये और इसके गुण-दोष स्पष्ट कीजिये । 16

3. निम्नलिखित किसी **एक** गुट के प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(अ) ख्रिस्ती ईश्वरवादी (धर्मनिष्ठ) इतिहास के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिये । 4

(ब) इतिहास के जनसामान्यवादी (Subaltern) दृष्टिकोण की विचारधारा बताइये । 4

(क) इतिहास के जनसामान्यवादी प्रवाह के उदय के कारण लिखिये । 4

(ड) महात्मा जोतिबा फुले के शिक्षा विचारों का महत्व विशद कीजिये । 4

अथवा

(इ) यूरोप में ईश्वरवादी (धर्मनिष्ठ) इतिहासलेखन के विकास का वर्णन कीजिये । 4

(फ) प्राचीन भारतीय ईश्वरवादी (धर्मनिष्ठ) इतिहास की विचारधारा को लिखिये । 4

(ग) प्राचीन भारतीय ईश्वरवादी (धर्मनिष्ठ) इतिहास में पुराणों का महत्व स्पष्ट कीजिये । 4

(ह) जनसामान्यवादी (Subaltern) इतिहासलेखन में अन्तोनिओ ग्रामची का योगदान लिखिये । 4

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

4. निम्नलिखित किसी एक गुट के प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(अ) प्राचीन भारतीयों के चार युग और कालचक्र की कल्पना को स्पष्ट कीजिये । 4

(ब) ओसवाल्ड स्पेंगलर के चक्रकार सिद्धांत का वर्णन कीजिये । 4

(क) तौलनिक इतिहास की विशेषताएं लिखिये । 4

(ड) पर्यावरणशास्त्र अध्ययन का महत्व विशद कीजिये 4

अथवा

(इ) टायन्बी के 'आव्हान और प्रतिसाद' सिद्धांत का वर्णन कीजिये । 4

(फ) गामबातिस्ता व्हिको का चक्राकार सिद्धांत बताइये । 4

(ग) इतिहास के चक्राकार और सरल रेखा सिद्धांत का भेद लिखिये । 4

(ह) निसर्ग व्यवस्था की शृंखला का स्वरूप स्पष्ट कीजिये । 4

5. निम्नलिखित किसी एक गुट के प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(अ) प्राचीन भारत में वर्ण व्यवस्था का स्वरूप वर्णन कीजिये । 4

(ब) आधुनिक भारत के संदर्भ में जाति व्यवस्था के परिणाम लिखिये । 4

(क) आधुनिक भारत में लिंगभेद के परिणाम बताइये । 4

(ड) इतिहासलेखन के बारे में वि. के. राजवाड़े के विचारों को विशद कीजिये । 4

अथवा

(इ) प्राचीन भारतीय इतिहास के आशय के रूप में धर्म के महत्व का वर्णन कीजिये । 4

(फ) भारतीय इतिहास के आशय के रूप में संस्कृति का महत्व लिखिये । 4

(ग) भारतीय राष्ट्रवादी इतिहासकार के रूप में आर. सी. दत्त की उपलब्धियां बताइये । 4

(ह) पंडित जवाहरलाल नेहरू की धर्मनिरपेक्षतावाद की संकल्पना स्पष्ट कीजिये । 4

www.sgbauonline.com